

कार्तिकी के कतिबलिदिग्न राजवेदक मारुतगण हैं। प्रकृत
में प्रकृत सिद्धी की रिजेट मंगलार्थ कापठ गड
के विषय गण्ड के लाक्षण लक्षणित नहीं कीजा
जानी है। वाचुपः कृष्णशिव उक्त कृष्ण एक धिसी
का उक्त मूल गड के मंगलदाक, नमनीयग लक्ष
लाक्षण लक्ष्मी के कापठ पर विद्वान विवेक उपकरण
ही है जावेक। ऐसी सिद्धी के सिद्धी राजवेदक के
विद्वान उपकरण मंगली की मंडी की सिद्धी कतिबलि
मिथुन मर मंगलगत उक्ति तभी लक्षण है। कृष्ण
प्रकृति/मंगलीगत मंग प्रकृत ०३३१७८२४४ कली
कठेरी लक्षित नहीं केते है मारीकाल/दगादि किंच
काक है। प्रकृत गाले = बंधक प्रकृत मंगल दिगंत
२५/१/२५ के जेरा है।

(नमन सुंदर विमोदी)
उपखण्ड-अधिकारी एवं पदेन
सहायक कलेक्टर, जैतारण (ब्यावर)

24/2/25

बाबलों के हैं गज S.D.O. माहल दौरे पर, दिगम कार्य के का
पदों का कोट काई स्थिति रखने से पताबली बायका विना
१२/१/११ २०२५ को वेरा है।

12/11/24

पताबली जेरा है। अधिवक्ता अप।
कथन: माहीग पाल जेरा काले का लक्षण
कादत है, रिजा जात है। पताबली आमत डिगाल
१५/११/२०२५ को जेरा है।

उपखण्ड-अधिकारी एवं पदेन
सहायक कलेक्टर, जैतारण (ब्यावर)



डॉ. (12/11/24)

27/2/25

मूल गड के प्रकृत नलकी का प्रकृत जेरा मरते है
प्रकृत काक जेरा है।

चूंकि मूल गड कादिगण का मंगल परिके विद्वान
रवारिज है। उक्त है। मूल गड रवारिज है। पाते है।
मंगल का प्रकृत के मंडी कापठिगी अवेदिन नहीं
रखते अर्थात् प्रभाव हीन है। पाते है। प्रकृतिगत का रक्षण
प्रकृत रवारिज किंच पाकत है। प्रकृत कौशल सुभाक
होकर मंगल है। मंगल है। गड नमनील पाकत रवारिज
(कथन लेखक) असाक प्रकृत है।

उपखण्ड अधिकारी एवं
पदेन सहायक कलेक्टर
जैतारण (ब्यावर)



L.T.
गुप्ता